लखनऊ
सोमवार, 11 सितंबर 2023
वर्षः-08 अंकः-07
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

"बस बातें अपने जैसे करते है बांकी पराये सब है"

यूपी में भारी बारिश का कहर,

24 घंटे में 19 की गई जान

लखनऊ में भी हाल बेहाल

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश में इन दिनों भारी बारिश का कहर देखा जा रहा है. राजधानी लखनऊ समेत कई अन्य जिलों में लगातार बारिश के कारण बीते 24 घंटे में 19 लोगों की मौत हुई है।

इन दिनों उत्तर प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर करवट ले ली है. इस बीच उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में लगातार हो रही बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से निजात दिलाई, वहीं कुछ जगहों पर हुई भारी बारिश ने हाहाकार मचा दिया है. राहत आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में पिछल 24 घंटे के दौरान बारिश से संबंधित घटनाओं में 19 लोगों की मौत हो गई है. वहीं इस आंकड़े की आगे बढ़ने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में लगातार हो रही बारिश के कारण जहां कुछ इलाकों में जल जमाव की समस्या से लोगों को दो चार होना पड़ा. वहीं सोमवार को स्कूलों को बद करना पड़ा. फिलहाल जिला प्रशासन के आदेश के अनुसार आज लखनऊ में स्कूल खुले रहेंगे. मौसम विभाग की ओर से मिल रही जानकारी के अनुसार अभी उत्तर प्रदेश में 14 सितंबर तक भारी बारिश होने की संभावना है. वहीं 17 सितंबर तक हल्की बारिश देखी जाएगी।

बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग लखनऊ की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया है कि 15 सितंबर तक बिजली गिरने की संभावना बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार प्रदेश के 22 जिलों में बीते 24 घंटे के दौरान 40 मिमी से भी ज्यादा बारिश हुई है. जिनमें राजधानी लखनऊ समेत बरेली, कानपुर, शाहजहांपुर, फतेहपुर, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, फरुर्खाबाद,फिरोजाबाद, बाराबंकी, हाथरस, रामपुर, कन्नौज, संभल, बिजनौर और मुरादाबाद समेत अन्य जिले शामिल हैं।

बाढ़ की चपेट में 10 जिलों की 19 तहसीलें

राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से जानकारी दी गई है कि भारी बारिश के कारण राज्य के 10 जिलों की 19 तहसीलें बाढ़ की चपेट में आ गई हैं. जिसमें आने वाले सैंकड़ों गांव में रहने वाले प्रभावित हुए ग्रामीणों के राहत और रेस्क्यू के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज?य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की कई टीम को तैनात किया गया है. इसके साथ ही राहत सामग्री के वितरण समेत मवेशियों के टीकाकरण की भी व्यवस्था की गई है।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW

पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी

Admission Open

7880341111
www.dnmiet.ac.in

एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

हर घर राधा, हर घर कान्हा

मन मोह लेंगी ये तस्वीरें

करण वाणी, न्यूज

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शहर के मंदिरों को सजाया गया है वहीं श्री कृष्ण की झांकियां भी बनाई गई है, हर घर में छोटे नन्हे-मुन्ने बच्चों सहित बड़े भी कृष्णा और राधा के स्वरूप नजर आए।

कान्हा का मनमोहक स्वरूप और राधा की मनमोहिनी छवि हर किसी को लुभाती है, मंदिरों और घरों में विशेष साज-सज्जा कर तैयारियां की गई, पंजीरी और मक्खन का प्रसाद भी तैयार किया, इसके साथ ही बच्चों की टोली राधा कृष्ण के स्वरूप में सजी नजर आई।

बाल स्वरुप में प्रभु ने की थी लीलाएं

इस अवसर पर जन्माष्टमी पर्व पर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला, भगवान कृष्ण और राधा को बाल स्वरूप में सजाया गया, घर-घर में भगवान श्री कृष्ण और राधा के दर्शन हो रहे हैं, माता-पिता भी अपने बच्चों का यह अनुपम स्वरूप देखकर खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, भगवान की अपरंपार लीला के दर्शन बाल चंचल भावनाओं से होते हैं, जिस तरह भगवान कृष्ण लीलाएं रचने में माहिर थे।

हिना छाबड़ा, कृष्णा स्वरुप में
दीपगंगा, हरिद्वार (उत्तराखंड)

अर्नव सक्सेना, लखनऊ आशियाना

आयुष्मान सक्सेना, लखनऊ आशियाना

कार्यकारिणी गठन को लेकर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के सदस्यों ने की बैठक

सीमा की सुरक्षा में खड़ा जवान और राष्ट्र सेवा में जुटा पत्रकार विषम परिस्थिति में अपना कदम पीछे नहीं हटाते : अनुपम चौहान

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे) यूपी लखनऊ के सदस्यों की एक आवश्यक बैठक आज हजरतगंज स्थित इंडियन कॉफी हाउस में वरिष्ठ पत्रकार पद्माकर पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम जयपुर में संपन्न हुए नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अधिवेशन में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स उत्तर प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारियों घोषणा पर तालियां बजाकर बधाई दी गई। बैठक में मौजूद रहे ठवख वढ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान का स्वागत सम्मान किया गया।

बैठक में ठवख लखनऊ की कार्यकारिणी गठन के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। भारी बारिश के बीच बैठक में दो दर्जन से अधिक पत्रकार मौजूद रहे। जिस प्रकार किसी सीमा पर हमारे वीर सैनिक जाड़ा, गर्मी और बारिश में पीछे नहीं हटते हैं उसी तरह पत्रकार भी विषम परिस्थितियों में अपने कदम पीछे नहीं हटाते हैं। इस मंशा के साथ बारिश होने के बाद भी बैठक में पहुंचे। बैठक में तीन प्रमुख प्रस्तावों पर सार्थक चर्चा हुई। इनमें सभी सदस्यों से उनके संगठन में दायित्व, संगठन की रूपरेखा, पदाधिकारियों के नामों पर चर्चा हुई। सभी ने सदस्य के तौर पर कार्य करने और संगठन के निर्देश पर दायित्व निभाने पर सहमति जताई गई। इसके अलावा सदस्यता शुल्क तीन सौ रुपए लिए जाने, सप्ताहांत में बैठक बुलाने सहित कई अन्य मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

एनयूजे यूपी के प्रांतीय कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान ने संगठन के गठन एवं विस्तार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी साथियों के सहयोग से संगठन को मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में प्रांतीय कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान, पद्माकर पांडे, अभिनव श्रीवास्तव, पंकज सिंह चौहान, आशीष मौर्या, शिव सागर सिंह, अश्विनी जायसवाल, सुरेंद्र दुबे, अनुपम पांडे, नागेंद्र सिंह, शिव सागर सिंह, सचिन भार्गव, रोलैंड डिसूजा, अभिषेक, डॉ अतुल मोहन सिंह, गरिमा सिंह, मनीषा सिंह चौहान, संगीता सिंह, अरुण कुमार शर्मा सहित दो दर्जन से अधिक पत्रकार साथी मौजूद रहे।

नई बनने वाली हर सड़क की 05 साल की हो गारंटी, सड़क खराब हुई तो निमार्ता एजेंसी ही करे पुनर्निमार्णः मुख्यमंत्री

- दीपावली से पहले अभियान चलाकर सड़कों को बनाएं गड्ढामुक्तः मुख्यमंत्री
- बजट की कोई कमी नहीं, अच्छे नियोजन पर दें ध्यानः मुख्यमंत्री
- मेट्रो/एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी परियोजनाओं के कारण यदि पूर्व से संचालित सड़कें खराब होती हैं तो खराब होने के कारक विभाग कोउत्तरदायी बनाया जाएगा

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आगामी नवंबर में दीपावली से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए विशेषअभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष मॉनसून कीस्थिति असामान्य है। आने वाले दिनों में कई जिलों में लगातार बारिश की संभावना है। इसका ध्यान रखते हुए नवंबर में दीपावली से पूर्वप्रदेश व्यापी सड़क गड्ढामुक्ति का अभियान चलाया जाए। जहां बरसात की स्थिति हो वहां, बोल्डर डालकर रोलर चलकर आवागमनसुगम किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, मंडी परिषद, सिंचाई, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, चीनीउद्योग एवं गन्ना विकास, आवास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आदि विभागों की करीब 04 लाख किलोमीटर सड़कें प्रदेश में हैं।हर एक सड़क पर चलना आम आदमी के लिए सुखद अनुभव वाला हो, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। मेट्रो/एक्सप्रेसझवे जैसी बड़ीपरियोजनाओं के कारण यदि पूर्व से संचालित सड़कें खराब होती हैं तो खराब होने के कारक विभाग को उत्तरदायी बनाया जाएगा। गड्ढामुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्ययोजना से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहींहै, आवश्यकता है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। उन्होंने सभी विभागों को यह निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए सड़कबनाने वाली एजेंसी/ठेकेदार सड़क बनने के अगले 05 वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। इस बारे में नियमझशर्ते स्पष्टरूप से उल्लिखित की जाएं।

बैकबोन

अभियंताओं को निर्माण कार्य का ह्यबैकबोनह्य की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि कहीं भी अभियंताओं की कमी न हो, आवश्यकता पड़े तोआउटसोर्सिंग से भी तैनाती की जानी चाहिए। विभागीय मंत्रियों व अधिकारियों को फील्ड में रैंडम दौरा निर्माण परियोजनाओं की समीक्षाकरते हुए जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज्ड किये जाने पर बल दिया। उन्होंनेयह भी कहा कि अभियंताओं की तैनाती केवल मेरिट के आधार पर ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चितकरे कि कहीं भी लोकहित से जुड़ी किसी परियोजना में माफिया/अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को स्थान न मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि गड्ढामुक्ति और नवनिर्माण के अभियान की जियो टैगिंग कराईजाए। इसे पीएम गतिशक्ति पोर्टल से जोड़ा जाना चाहिए, साथ ही इसी तर्ज पर अपना पोर्टल भी विकसित किया जाना चाहिए ताकिकार्य की गुणवत्ता की अनवरत मॉनीटरिंग की जा सके।

जलभराव हो तो तत्काल कराएं निकासी

नगर विकास व ग्राम्य विकास विभाग को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के कारण यदि कहीं जलभराव होता है तो तत्कालउसकी निकासी सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारी सड़कों पर मौजूद रहे। वहीं नगरों में आवारा श्वान की समस्या की चर्चा करतेहुए मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित एनिमल बर्थ कंट्रोल इकाइयों के शीघ्र क्रियान्वयन के अलावा अन्य उपयोगी प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।

यूपी में वकीलों की हड़ताल खत्म, लाठीचार्ज का विरोध रहेगा जारी

यूपी बार काउंसिल ने 16 सितंबर से 20 अक्टूबर तक का कार्यक्रम तय कर दिया है, प्रदेश भर के वकील 16 सितंबर को कलेक्ट्रेट, ट्रेजरी और रजिस्ट्री परिसर में प्रदर्शन करेंगे।

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश में वकीलों की हड़ताल से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है. प्रदेश भर की अदालतों के वकील सोमवार से काम पर लौटेंगे. वकील अदालतों में न्यायिक कार्य करेंगे लेकिन हापुड़ घटना का विरोध भी जारी रखेंगे. यूपी बार काउंसिल की बैठक में यह फैसला लिया गया. यह बैठक यूपी बार काउंसिल के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ की अध्यक्षता में हुई. इसमें यह फैसला लिया गया कि वकील सरकार के रवैये के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

यूपी बार काउंसिल ने बैठक में 16 सितंबर से 20 अक्टूबर तक का कार्यक्रम भी तय किया. प्रदेश भर के अधिवक्ता 16 सितंबर को कलेक्ट्रेट, ट्रेजरी और रजिस्ट्री परिसर में धरना प्रदर्शन करेंगे. अधिवक्ता 22 सितंबर को लाल फीता बांधकर विरोध दिवस मनाएंगे. वहीं 29 सितंबर को हर जिले में सरकार का पुतला जलाएंगे. इसके बाद 6 अक्टूबर को अधिवक्ता मंडलवार सम्मेलन करेंगे।

इसके अलावा 13 अक्टूबर को यूपी बार काउंसिल में प्रदेश भर के जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्षों और मंत्रियों का सम्मेलन होगा. 20 अक्टूबर को प्रदेश भर के अधिवक्ता विधानसभा का घेराव करेंगे. वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी इस मामले में पैरवी करेंगे. हापुड़ घटना को सुओ मोटो लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई की थी. इस मामले में 15 सितंबर को हाईकोर्ट में फिर से सुनवाई होगी।

ज्यूडिशियल कमेटी का किया गया गठन

दरअसल, हापुड़ में वकीलों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घटना से जुड़े तमाम पहलुओं की जांच के लिए ज्यूडिशियल कमेटी का गठन किया है. इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज मनोज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में ज्यूडिशियल कमेटी गठित हुई है. जस्टिस राजन राय और जस्टिस फैज आलम कमेटी के सदस्य होंगे. यूपी के एडवोकेट जनरल, यूपी बार काउंसिल के चेयरमैन और इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी कमेटी में शामिल रहेंगे. एडवोकेट जनरल अपनी तरफ से किसी को नामित भी कर सकते हैं।

एसआईटी से मांगी गई रिपोर्ट

यूपी बार काउंसिल की तरफ से अधिवक्ता अभिनव गौर और विभु राय ने हाईकोर्ट से इस मामले में सुओ मोटो लेकर सुनवाई करने का अनुरोध किया था. चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली डिवीजन बेंच ने शनिवार को छुट्टी के दिन में इस मामले में सुनवाई की. चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर और जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी की डिवीजन बेंच ने की सुनवाई. हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि इस मामले में यूपी सरकार की तरफ से गठित एसआईटी भी अपना काम करती रहेगी. कोर्ट ने एसआईटी से वकीलों की तरफ से दर्ज कराई गई एफआईआर पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट भी मांगी है।

चीन के चंदे पर भारत विरोधी जहर उगलते हैं राहुल गांधी', बीजेपी नेता का बयान

बीजेपी प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने कहा है कि राहुल गांधी यूरोपीय दौरा नहीं कर रहे हैं, जो आईएसआई के लिए यूरोपीय यूनियन में काम करते हैं ऐसे लोगों के साथ वह दौरा कर रहे हैं।

करण वाणी, न्यूज

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल उन्नाव में शिक्षाविद एवं लेखक नरेंद्र भदौरिया की पुस्तक अमेय के विमोचन कार्यक्रम में पहुंचे. भव्यता के साथ विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ और इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला सहित उन्नाव के सांसद साक्षी महाराज सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे. वहीं इस कार्यक्रम के बाद प्रेम शुक्ल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी पर बड़ा बयान दिया है और इंडिया गठबंधन को पाखंडियों का गठबंधन बताया है।

बीजेपी प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने राहुल गांधी के यूरोप दौरे पर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी यूरोपीय दौरा नहीं कर रहे हैं, भारत विरोधी है जो आईएसआई के लिए यूरोपीय यूनियन में काम करते हैं ऐसे लोगों के साथ दौरा कर रहे हैं. राहुल गांधी पहले से ही चीन के चंदे पर पल कर लगातार भारत विरोधी जहर उगलने का काम करते हैं. जब जी-20 के माध्यम से विश्व में भारत का परचम लहरा रहा है तो भारत विरोधी शक्तियों के साथ जिस तरह से जुटे हुए हैं कि वह या सिद्ध करता है कि वह भारत द्रोही हैं।

बीजेपी नेता ने कहा कि राहुल गांधी का भारत उनकी भारतीयता और भारत माता से विरोध कायम है. वहीं इंडिया गठबंधन पर प्रेम शुक्ला ने कहा कि इंडिया नहीं पाखंडियों का गठबंधन है, यह जो दिखता है एकता किसी भी प्रकार की नहीं है. राजनीतिक एकता है बारबार मोदी विरोधी गठबंधन बनाने का प्रयास कर रहे हैं. इनके अंतर भेद इतने भयंकर हैं कि इनका चुनाव आने में सिर्फ सीटों का लोभ है. बयान बाजियां कर सकते हैं रावण विरोध कर सकता है, कंस अत्याचारी कर सकता है. उन्होंने कहा कि सनातन का ना आदि है ना अंत है सनातन सृष्टि के साथ ब्रह्मांड जब तक है तब तक रहने वाला है जिसको अनर्गल प्रलाप करना है वह करता रहे।

करें टॉप 5 सब्जियों की खेती, होगी लाखो की कमाई

करण वाणी, न्यूज

खेती-किसानी के काम को मौसम के अनुरूप करने से अच्छा उत्पादन मिलता है। यदि मौसम के अनुसार सही समय पर फसल की बुवाई का काम किया जाए तो इससे अच्छी पैदावार तो मिलती ही है, साथ ही बेहतर मुनाफा भी होता है। इसलिए किस महीने किस फसल की बुवाई करनी चाहिए ये हमें पता होना चाहिए, तभी हम उस फसल का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। चाहे वो अनाज हो या दलहनी फसल हो या फिर सब्जियों की फसल ही क्यूं न हो। इस समय गेहूं की बुवाई लगभग पूरी हो गई है। गेहूं लंबी अवधि की फसल है। इस बीच किसान सब्जी की खेती कर-के इससे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ऐसी कई सब्जियां हैं, जो कम लागत में अच्छी कमाई देती हैं। आप इनकी खेती जनवरी माह में करके अच्छी इनकम प्राप्त कर सकते हैं। आज हम आपको जनवरी माह में उगाई जाने वाली चुनिंदा 5 टॉप सब्जियों की खेती की जानकारी दे रहे हैं जिससे आप काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

टर की खेती

मटर की खेती काफी लाभकारी खेती होती है। मटर की खेती करके किसान काफी अच्छा पैसा बना सकते हैं। मटर को दो तरीके से बेचा जा सकता है। एक तो मटर को ताजा सब्जी के रूप में बेच सकते हैं और दूसरा मटर की प्रोसेसिंग करके उन्हें पैकिंग में बेचा जा सकता है जो लंबे समय तक चलता है। इस मटर को फ्रोजन मटर कहा जाता है। ऐसे में आप इसे साल भर बेचकर अच्छा पैसा कमा सकते हैं। मटर की खेती के लिए आप इसकी अपर्णा मटर, आर्किल मटर, जवाहर मटर, काशी उदय मटर, पंत सब्जी मटर जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं। इसमे आपको अपने क्षेत्र के अनुसार मिट्?टी और जलवायु के आधार पर मटर की किस्म का चयन करना चाहिए।

ब्रोकली की खेती

जनवरी में ब्रोकली की खेती भी अच्छा मुनाफा देती है। खास बात ये हैं कि इसके बाजार में काफी अच्छे भाव मिल जाते हैं। ये स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभकारी सब्जी मानी जाती है। इसलिए इसकी मांग बडी-बड़ी होटलों मे अधिक होती है। इसे बड़े- मॉल्स और बाजारों में बेचा जाता है। आजकल कई कंपनियों ने अपने स्टोर्स खोल रखें हैं जहां इन्हें बेचा जाता है। ब्रोकली की खेती लाभकारी खेती मानी जाती है। इसकी खेती करके लागत से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। आप ब्रोकली की ऑर्गेनिक खेती करके काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अब बात करें ब्रोकली की किस्मों की तो इसकी किस्मों में ब्रोकली की सफेद, हरी व बैंगनी किस्में आती है, लेकिन इनमें से हरी ब्रोकली की किस्म ही सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। ब्रोकली की प्रमुख किस्मों में नाइन स्टार, पेरिनियल, इटैलियन ग्रीन स्प्राउटिंग या केलेब्रस, बाथम 29 और ग्रीन हेड शामिल हैं।

मूली की खेती

मूली की खेती कम लागत में अधिक उपज देने वाली किस्म मानी

जाती है। यह सर्दियों के मौसम में काफी अच्छी पैदावार देती है क्योंकि इस फसल की तासीर ठंडी होने से इसे धूप की कम आवश्यकता पड़ती है। इसलिए इसे सर्दियों में ही उगाया जाता है। मूली खाने से पाचनक्रिया सही रहती है। कई रोगों में मूली के बीजों व रस को औषधी के रूप में प्रयोग में लिया जाता है। ज्यादातर इसका उपयोग सलाद व सब्जी बनाने व मूली के परांठे बनाने में किया जाता है। इसके पत्तों को पशुओं को खिलाने में काम में लिया जा सकता है। मूली की खेती के लिए किसान भाई इसकी उन्नत किस्मों में मूली की जापानी सफेद, पूसा देशी, पूसा चेतकी, अर्का निशांत, जौनपुरी, बॉम्बे रेड, पूसा रेशमी जैसी उन्नत किस्मों की बुवाई कर सकते हैं।

फ्रेंच बीन की खेती

किसान भाई फ्रेंच बीन की खेती करके भी अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। फ्रेंच बीन को ताजा हरी सब्जी के रूप में खाया जाता है। इसके अलावा इसे सूखा कर राजमा और लोबिया के रूप में भी खाया जाता है। इस तरह ये सब्जी भी अधिक दिनों तक संग्रहित करके रखी जा सकती है और इसका उपयोग भी अधिक समय तक किया जा सकता है। ऐसे में इसकी खेती भी किसानों के लिए मुनाफे का सौंदा साबित हा सकती है। फ्रेंच बीन की दो तरह की किस्में आती हैं, पहली झाड़ीदार किस्में और दूसरी बेलदार किस्में। झाड़ीदार किस्मों में कंटेंडर, जाइंट स्ट्रींगलेस, पेसा पार्वती, अकार कोमल आदि आती हैं। वहीं बेलदार किस्मों में पूसा हिमलता, केंटुकी वंडर आदि किस्में हैं। इनमें से किसान अपने क्षेत्र की जलवायु व मिट्टी के आधार पर इसका चयन कर सकते हैं। किसान एक बात का विशेष ध्यान रखें कि इसकी फसल के लिए ज्यादा सर्दी और ज्यादा गर्मी दोनों ही हानिकारक है। इसलिए इसे ऐसे स्थान पर बोये जहां न ज्यादा सर्दी हो और न ही ज्यादा गर्मी। सर्दियों में इसकी फसल को पाले से बचाव करना जरूरी है।

पालक की खेती

पालक की खेती से भी किसान अच्छा लाभ कमा सकते हैं। इसकी खेती भी सर्दियों में काफी आसानी से की जा सकती है। सर्दियों में लोग हरे पालक की सब्जी, कई सब्जियों के साथ जैसे- पालक पनीर, आलू पालक, सादा पालक की सब्जी बनाकर खाई जाती है। इसके अलावा कई चीजों में भी इसे डालकर खाया जाता है। पालक के परांठे भी लोग बड़े चाव से खाते हैं। पालक आयरन का उत्तम स्त्रोत हैं। इसका प्रयोग गाजर के ज्यूस में भी किया जाता है। इसकी बाजार में मांग भी अच्छी रहती है और इसके दाम भी बेहतर मिल जाते हैं। इसलिए ये कहा जा सकता है कि पालक की खेती किसी भी तरह से किसानों के लिए घाटे का सौंदा नहीं है। किसान इसकी बुवाई के लिए आल ग्रीन, पूसा हरित, पूसा ज्योति, बनर्जी जाइंट, जोबनेर ग्रीन जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं।

राजस्थान के किसान जोजोबा की खेती कर कमा रहे हैं लाखों

एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है, वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है।

करण वाणी, न्यूज

धीरे-धीरे खेती उन्नत होती जा रही है, किसान अब ऐसी फसलों की तरफ ध्यान दे रहे हैं जिनसे उन्हें मोटा मुनाफा हो. इन्हीं फसलों में से एक है जोजोबा. यह फसल ज्यादातर रेगिस्तान वाले इलाकों में होती है. भारत में राजस्थान एक ऐसा राज्य है जहां की किसान ने फसल के जरिए लाखों की कमाई सालाना करते हैं. आज हम आपको इसी फसल से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराएंगे और इसके साथ ही बताएंगे कि अगर आप अपने राज्य में इसकी खेती करना चाहें तो कैसे कर सकते हैं।

जोजोबा के उपज की बात करें तो यह अन्य फसलों के मुकाबले काफी ज्यादा है. एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है. वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है. आपको बता दें 5 क्विंटल सीड से 250 लीटर तेल निकल सकता है।

जोजोबा के बीज से निकलने वाले तेल में वैक्स एस्टर मौजूद होते हैं. ये वैक्स एस्टर, मॉइस्चराइजर, शैंपू, बालों के तेल, लिपस्टिक, कंडीशनर, एंटी-एजिंग और सन केयर प्रॉडक्ट्स बनाने में इस्तेमाल किये जाते हैं. इसके अलावा केमिकल्स और दवायें बनाने में भी इसका बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है।

जोजोबा की फसल मुख्य रूप से राजस्थान में होती है. हालांकि, कृषि विशेषज्ञों की मानें तो पंजाब, हरियाणा उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के किसान भी जोजोबा की

खेती करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं. यूपी और बिहार वाले किसान भी इस फसल में अपने हाथ आजमां सकते हैं, लेकिन बस उन्हें थोड़ी तकनीक का भी इसकी खेती के लिए सहारा लेना पड़ेगा. हालांकि, बुंदेलखंड के कुछ इलाकों में इसकी फसल बोई जा सकती है और उससे मुनाफा भी कमाया जा सकता है।

मेरे और शाहरुख के बीच जो हुआ बचपना था: सनी देओल

करण वाणी, न्यूज

सनी देओल ने कहा कि उनके और शाहरुख खान के बीच जो भी हुआ वो बचपना था। सनी के मुताबिक, उनके और शाहरुख के बीच जो भी विवाद हुआ, उसे अवॉयड किया जा सकता था। हालांकि समय के साथ अब शाहरुख और सनी के रिश्ते बेहतर हो गए हैं।

सनी ने कहा कि वे और शाहरुख अब हमेशा एक दूसरे से टच में रहते हैं। 1993 में रिलीज हुई फिल्म डर के बाद दोनों में तल्खी हो गई थी। फिल्म में शाहरुख ने सनी के किरदार को ओवरशैडो कर दिया था। यह बात सनी को रास नहीं आई। इसके बाद से ही दोनों के बीच संबंध खराब हो गए।

सनी ने कहा- रिश्ते बेहतर हुए, मैं और शाहरुख कई बार मिले

सनी देओल ने रजत शर्मा के शो आप की अदालत में कहा- एक वक्त आता है जब व्यक्ति पुरानी बातों को भूल जाता है। मुझे लगता है कि वो (शाहरुख के साथ विवाद) नहीं होना चाहिए था। हम लोगों का बचपना था। हालांकि बाद में सब खत्म हो गया।शाहरुख और मैं कई बार एक दूसरे से मिले।

हम लोग फिल्मों के बारे में बात करते हैं। उन्होंने पूरी फैमिली के साथ मेरी फिल्म देखी। उन्होंने कॉल भी किया था।

जाहिर है कि कुछ दिन पहले अरङ रफ्ह्ड सेशन में शाहरुख ने गदर-2 का जिक्र किया था। एक यूजर ने शाहरुख से पूछा कि क्या उन्होंने गदर-2 देखी। जवाब में शाहरुख ने कहा कि उन्होंने गदर-2 देख ली है और उन्हें फिल्म पसंद भी आई है।

फिल्म डर के बाद रिश्ते बिगड़े, 16 साल तक एक दूसरे से बात नहीं की

एक दौर ऐसा था, जब शाहरुख खान और सनी देओल के बीच बेरुखी की चर्चा इंडस्ट्री में आम थी। दोनों एक्टर्स ने एक दूसरे से 16 साल तक

बात नहीं की।

बात 1993 की है, सनी और शाहरुख ने फिल्म पहली और आखिरी बार साथ काम किया था। यह फिल्म सुपरहिट रही लेकिन सनी फिल्म में अपने किरदार के चित्रण से खुश नहीं थे।

सनी देओल इस फिल्म के डायरेक्टर यश चोपड़ा के साथ-साथ अपने को-स्टार रहे शाहरुख खान से भी नाराज हो गए। सनी को इस बात का मलाल था कि फिल्म में हीरो वे थे, लेकिन सारा लाइम लाइट विलेन बने शाहरुख लूट ले गए।

फिल्म में सनी ने मेन लीड और शाहरुख ने नेगेटिव रोल प्ले किया था।

फिल्म में सनी ने मेन लीड और शाहरुख ने नेगेटिव रोल प्ले किया था।

गौरी और आर्यन ने भी की थी सनी से बात

पुराने इंटरव्यू में सनी देओल ने अपने और शाहरुख के बीच बातचीत का ब्यौरा दिया था। उन्होंने कहा, 'शाहरुख खान ने गदर-2 देख ली है। फिल्म देखने से पहले उन्होंने मेरे पास फोन किया था।

उन्होंने मुझे मुबारकबाद भी दी। शाहरुख काफी ज्यादा खुश थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं आपके लिए बहुत ज्यादा खुश हूं। शाहरुख के बाद मैंने उनकी वाइफ गौरी और बेटे आर्यन से भी बात की।

पुष्पा 2 की रिलीज डेट आई सामने, नए अवतार में दिखेगा अल्लू अर्जुन का जलवा

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्लीः अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2 : द रूल' अगले साल 15 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी. फिल्म निमार्ताओं ने सोमवार को यह घोषणा की. सुकुमार द्वारा निर्देशित 'पुष्पा 2 : द रूल' इसके पहले भाग 'पुष्पा 1 : द राइज' के आगे की कहानी है।

पुष्पा 2 रिलीज डेट

पहली फिल्म में अर्जुन के निभाए किरदार पुष्पा और मल्यालम फिल्म जगत के अभिनेता फहाद फासिल अभिनीत पुलिस अधिकारी भंवर सिंह शेखावत के बीच दुश्मनी को दशार्या गया है. फिल्म के निमार्ता मैत्री मूवी मेकर्स ने ह्यएक्सह्ल (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

पोस्ट में लिखा, "तारीख याद कर लीजिए...15 अगस्त 2024..."पुष्पा 2 : द रूल' दुनियाभर में होगी रिलीज...पुष्पा राज बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वापस आ रहा है." अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा 1 : द राइज' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा होने के कुछ सप्ताह बाद फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की गई. फैंस लंबे समय से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं.

स्टार कास्ट

सुकुमार राइटिंग्स के साथ मैत्री मूवी मेकर्स के नवीन येरनेनी और वी. रवि शंकर द्वारा निर्मित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और फासिल अपने-अपने किरदार फिर से निभाते हुए दिखाई देंगे. अभिनेता धनंजय, राव रमेश, सुनील, अनसूया भारद्वाज और अजय घोष भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

ये तो खत्म हो चुकी है', करियर के शुरूआत में ही पूजा को मिला था यह ताना

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा भट्ट बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में हिस्सा लेने के बाद सुर्खियों में है। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान पूजा अपने फिल्मी करियर के बारे में बात की है। अभिनेत्री ने अपने पिता महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म फिल्म डैडी से महज 17 साल की उम्र में एक्टिंग की शुरूआत की थी। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री छोड़ने के बारे में खुलासा किया।

'लोगों ने कहा इसका करियर खत्म'

हाल ही में एक इंटरव्यू में पूजा भट्ट ने बताया कि जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म डैडी की थी तब वह सिर्फ 17 साल की थीं। एक्ट्रेस ने कहा, "डैडी, दिल है कि मानता नहीं के बाद, सड़क एक हैट-ट्रिक की तरह थी। 19 साल की उम्र में मैं सुपरस्टार थी, 24 साल की उम्र में मुझे इंडस्ट्री ने कहा, 'ये तो खत्म हो चुकी है तो मैंने कहा कि इस इंडस्ट्री में जहां 24 साल की उम्र में लोग शुरूआत ही कर रहे होते हैं, लेकिन लोग पहले ही आपको गड्ढे में गिरा चुके होते हैं कि आपका काम खत्म हो गया।"

25 साल में छोड़ी एक्टिंग

बातचीत के दौरान पूजा ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी और 25 साल की उम्र में कैमरे के पीछे चली गई। उन्होंने कहा, '25 साल की उम्र में मैंने अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया, तम्मन्ना बनाई। मैंने अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता, मुझे आत्मसंतुष्टि का एहसास हुआ, ऐसी फिल्म बनाने के लिए मुझे अपना आत्मसम्मान वापस मिला। मैं पूरा देश घूमी, लोगों से मुलाकात की, उस फिल्म ने चैरिटी के लिए पैसे जुटाए, मुझे अपना राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। फिर मैंने काजोल के साथ दुश्मन बनाई, फिर जख्म बनाई और बाकी इतिहास है।'

सनी लियोनी को किया लॉन्च

पूजा ने आगे कहा कि 21 साल तक मैने कैमरे का सामना नहीं किया क्योंकि वह सिर्फ फिल्मों का निर्देशन कर रही थीं। उनके अनुसार, उन्होंने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि उनका स्टारडम का दौर खत्म हो चुका है और वह एक फिल्म निमार्ता के रूप में जीवन के एक नए चरण में एंट्री कर चुकी हैं। बता दें कि पूजा की आखिरी फिल्म जिस्म 2 थी और उन्होंने इस फिल्म में सनी लियोनी को लॉन्च किया था।

घोसी के किंग, सुधाकर सिंह

घोसी की हार बीजेपी के लिए खतरे की घंटी

सवर्ण व दलित वोटरों ने बढ़ाई बीजेपी की उलझन

सुधाकर सिंह/ नवनिर्वाचित विधायक घोसी

पंकज सिंह चौहान, करण वाणी

घोसी में हुए उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को करारी हाल मिली है जिसके बाद बीजेपी हिल गई है, इस उपचुनाव में हार को बीजेपी के लिए 2024 चुनाव में खतरे की घंटी माना जा रहा है, इस चुनाव में बीजेपी के कोर वोटर उनसे छिटकते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यूपी के घोसी सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी को उम्मीद थी कि वह इस बार चाहे जिस पर दांव लगा ले, इस सीट को वो जीत ही लेगा क्योंकि बीजेपी के पास ओमप्रकाश राजभर हैं, बीजेपी को भरोसा था कि समाजवादी पार्टी से आए दारा सिंह चौहान वो कैंडिडेट हैं जिनकी बिरादरी घोसी में बड़ी तादाद मौजूद है और वो जीत जाएंगे, लेकिन हुआ इसका उल्टा, बीजेपी के दिग्गजों के जमावड़े के बावजूद समाजवादी पार्टी 42 हजार 2 सौ से ज्यादा वोटों से ये उपचुनाव जीत गई।

बीजेपी के सभी जातीय समीकरण धराशायी हो गए और समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह ने घोसी में रिकार्ड मतों से जीत दर्ज कर ली, बीजेपी 86 हजार के अपने पुराने वोट संख्या तक भी नहीं पंहुच पाई. सपा की तरफ से ठाकुर कैंडिडेट होने के बावजूद अखिलेश यादव का पीडीए यानी कि पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक मुसलमान का समर्थन सुधाकर सिंह को मिला, अब ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह चुनाव परिणाम बीजेपी और एनडीए के लिए खतरे की घंटी है?

समाजवादी पार्टी ने बीजेपी के वोट बैंक में मजबूत सेंधमारी की, ठाकुर-भूमिहार -वैश्य- राजभर -निषाद और कुर्मी मतदाताओं से सपा ने अच्छे वोट खींच लिए लेकिन माना जा रहा है कि दलितों का एक बड़ा तबका समाजवादी पार्टी की तरफ शिफ्ट कर गया, खासकर युवाओं का वोट बीजेपी के खिलाफ रहा जिसने समाजवादी पार्टी को निर्णायक बढ़त दी।

दरअसल अखिलेश का पीडीए चल निकला और बीजेपी का अति आत्मविश्वास उसे ले डूबा, चुनाव में हार के बाद यह साफ हो गया कि भाजपा के कोर वोटर ने भी उससे दूरी बना ली थी, खासकर स्वर्ण मतदाताओं का बड़ा तबका समाजवादी पार्टी के साथ चला गया. जिस नोनिया चौहान वोटर की बदौलत बीजेपी जीत का ख्वाब सजाए बैठी थी उसमें भी साफ-साफ बिखराव दिखा और ओमप्रकाश राजभर भी फेल हो गए, उनकी बिरादरी में भी टूट दिखाई दिया।

सवर्ण वोटरों ने नहीं दिया साथ

लेकिन इस हार की सबसे बड़ी वजह बीजेपी के कोर वोटर की नाराजगी और दलित वोटरों का बड़ी तादाद में सपा का रुख करना माना जा रहा है, जिस तरीके से अखिलेश यादव ने इसे इंडिया की जीत करार दिया है और जिस तरीके से कांग्रेस पार्टी अपने स्वर्ण वोटरों को साधने में जुटी है ये बीजेपी के लिए खतरे की घंटी है।

सपा की इस जीत के साथ ही बीजेपी के कोर वोटरों के एक बड़े तबके ने यह संदेश दे दिया है कि वह बीजेपी के साथ बंधुआ मजदूर की तरह रहने को तैयार नहीं है और वह विकल्प तलाश सकता है।

दलित वोटरों ने बढ़ाई बीजेपी की उलझन

सबसे ज्यादा उलझन दलित वोटरों ने बीजेपी की बढ़ा दी है. मायावती के चुनाव में नहीं रहने पर दलितों का बड़ा तबका समाजवादी पार्टी की तरफ शिफ्ट कर गया है जो आने वाले समय में बीजेपी के लिए खतरे का संकेत है. इंडिया गठबंधन इसे अपनी जीत बता रहा है तो बीजेपी दबे स्वर में इसे दारा सिंह की हार बता रही है लेकिन घोसी उपचुनाव की हार ने बीजेपी को गहरे जख्म दे दिए हैं।

उपचुनाव परिणाम को लेकर बीजेपी में अब समीक्षा और मंथन का दौर शुरू होगा. पार्टी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा है कि पार्टी हार की समीक्षा करेगी लेकिन इस चुनावी हार ने बीजेपी को भीतर तक हिला दिया है.

मुझे उम्मीद हम और दारा सिंह जल्द मंत्री बनेंगेः राजभर

राजभर ने कहा, 'हम क्यों नहीं बनेंगे? क्या विपक्षी दलों के लोग निर्णय ले रहे हैं? मैं फिर कह रहा हूं कि एनडीए के बॉस विपक्ष के लोग नहीं हैं।'

करण वाणी, न्यूज

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार में जल्द ही मंत्री पद मिलने का भरोसा है। मऊ जिले में हाल ही में संपन्न घोसी विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार दारा सिंह चौहान के लिए प्रचार करने वाले राजभर 16 जुलाई को भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गए थे। यूपी में 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले राजभर ने सपा के साथ गठबंधन किया था, लेकिन पिछले साल मार्च में नतीजे घोषित होने के बाद दोनों दलों के बीच संबंधों में खटास आ गई।

हाल ही में सपा से भाजपा में लौटे चौहान की हार पार्टी और उसके सहयोगियों के लिए एक झटका है, जिन्होंने उपचुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे कई बड़े नेता शामिल थे। मंत्री और उसके सहयोगी चौहान के लिए प्रचार कर रहे हैं, जो सपा के सुधाकर सिंह से 42,759 वोटों से हार गए। यह पूछे जाने पर कि क्या चौहान और वह यूपी सरकार में मंत्री बनेंगे, राजभर ने कहा, हम क्यों नहीं बनेंगे? क्या विपक्षी दलों के लोग निर्णय ले रहे हैं? मैं फिर कह रहा हूं कि एनडीए के बॉस विपक्ष के लोग नहीं हैं। लेकिन प्रमुख नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी और जेपी नड्डा जी हैं। सबर रखो। जो लोग परेशान हैं उनसे मैं कह रहा हूं कि वे धैर्य रखें। मुझे आशा है कि उन्हें दिल का दौरा नहीं पड़ेगा। हम मंत्री बनेंगे।

दारा सिंह चौहान की हार के कारणों के बारे में बात करते हुए, राजभर ने कहा, एक कारण यह है कि बसपा चुनाव नहीं लड़ रही थी। दूसरा कारण है कि हमने सपा के लोगों को पैसे बांटते देखा। हमने शिकायत की और कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया। तीसरा कारण है उम्मीदवार के प्रति प्रतिक्रिया। इस वजह से वोट बिखर

गए। अगर स्थानीय उम्मीदवार होता तो नतीजा कुछ और होता।

राजभर ने कहा कि बीजेपी बड़ी पार्टी है और सोच समझकर टिकट दिया गया। हमने पूरी मेहनत की। सभी सहयोगियों ने भी की, लेकिन असली ताकत जनता के पास है। हम अपनी पार्टी को संगठित करने पर काम करेंगे। हालांकि, समाजवादी पार्टी के राज्य प्रवक्ता फराज किदवई ने कहा कि राजभर की मंत्री बनने की आकांक्षा एक सपना ही रहेगी।

भारत से यूरोप तक चलेगी ट्रेन, अमेरिका, सऊदी संग मिलकर बनाया जाएगा रेल-शिपिंग कॉरिडोर

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्लीः चीन ने बेल्ट एन्ड रोड योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए कई देशों को अपने शिकंजे में ले रखा है। अब भारत ने भी इसका करारा जवाब करने के लिए कमर कस ली है, जिसकी शुरुआत नई दिल्ली में जारी जी20 समिट के दौरान हो चुकी है। भारत ने अमेरिका, यूरोप, सऊदी अरब और वअए के साथ मिल कर एक ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का प्लान बनाया है, जिससे अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ ही यूरोप तक में भारत का डंका बजेगा और भारत वैश्विक कारोबार का एक नया और बड़ा केंद्र बन कर दुनिया में स्थापित होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, इस परियोजना को अभी फ्रेमवर्क (भारत, इजरायल, अमेरिका और वअए के तहत विकसित नहीं किया जा रहा है, क्योंकि इजरायल और सऊदी अरब के बीच रिश्तों को सुधारने की प्रक्रिया फिलहाल जारी है। बाद में इजरायल को भी इससे जोड़ दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, ये व्यापक रेलवे एवं शिपिंग कॉरिडोर होगा, जिसके तहत कॉमर्स और ऊर्जा के साथ ही डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी विकास के नए अध्याय लिखे जाएँगे। अमेरिका के प्रिंसिपल डिप्टी नेशनल सेक्रेटरी एडवाइजर जॉन फिनर ने इस बारे में जानकारी दी है। जॉन फिनर ने बताया है कि इंफ्रास्ट्रक्चर में जो गैप है, उसे ये भरेगा। ये एक उच्च गुणवत्ता का, पारदर्शी और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर योजना होगी, जिसे किसी पर थोपा नहीं जाएगा, बल्कि सब अपनी इच्छा से ही इसमें भागीदार बनेंगे। किस क्षेत्र की क्या मांग है, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। इस मामले में ये प्रोजेक्ट चीन के ह्यबेल्ट एन्ड रोड से भिन्न होगा। इफ्कमें गुणवत्ता तो नहीं है ही, इसके साथ ही इसके चंगुल में फँस कर कई देश कर्ज के डूब चुके हैं। कुछ देशों को जबरन समझौते कर इस योजना के अंतर्गत लाया गया है। साथ ही इसमें पारदर्शिता की भी कमी है।

अमेरिका का कहना है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन की पश्चिमी एशिया को लेकर जो नीति है, उसके तहत ये काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व के तीन बड़े क्षेत्र आपस में जुड़ जाएंगे और इससे समृद्धि आएगी। कम और मध्यम आय वाले देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर की जो कमी देखने को मिल रही है, उसे ये पूरा करेगा। अमेरिका ने इसमें पूरे सहयोग का आश्वासन दिया है। साथ ही देशों के बीच तनाव कम करने में भी सहायता मिलेगी। अमेरिका का कहना है कि वो इसे सकारात्मक एजेंडे के तौर पर देख रहा है, जहाँ सारे कार्य आपसी सहमति से किए जाएँगे।

इस प्रोजेक्ट से खाड़ी देश और भारत के बीच कारोबार में जबरदस्त इजाफा होगा। हालाँकि, अभी इसका रोडमैप ही तैयार किया जा रहा है और जी20 में इसका ऐलान नहीं होगा, लेकिन इस पर चर्चा जरूर संभव है। इसे हम एक बहुदेशीय रेल-पोर्ट एवं रूट इंफ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजना भी कह सकते हैं। इससे शिपिंग में वक़्त और पैसे दोनों की बचत होगी। इसके साथ ही डीजल की खपत कम होने से प्रक्रिया तेज और सस्ती होगी। सऊदी अरब, भारत के साथ-साथ इटली में भी निवेश के लिए प्लान कर रहा है। बता दें कि इस खबर के एक दिन पहले ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी ने एक दिन पहले ही यूरोप के बर्सेल्स में पत्रकारों को संबोधित करते हुए चीन की तारीफ में कसीदे गढ़े थे और कहा था कि वो (चीन) इस धरती पर एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है, जिसका जवाब देने के लिए भारत के पास कुछ भी नहीं है। दरअसल, राहुल गांधी, विदेशी धरती से पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार पर निशाना साध रहे थे। हालाँकि, सच्चाई ये है कि भारत कई महीनों से इस काम में लगा हुआ है। राहुल गाँधी ने दावा किया था कि उन्हें भारत की तरफ से कोई विकल्प सामने आते नहीं देख रहे। बता दें कि, हर बार की तरह इस बार भी राहुल गाँधी विदेश में जाकर भारत को लेकर नकारात्मक बातें फैलाने में जुटे हुए हैं।

चीन को लगा जोरदार झटका

भारत ने जी20 का सफल आयोजन करके वही क्षण जिया है, जो चीन ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक के आयोजन से जिया था। भारत के सामने अवसर और चुनौती दोनों हैं कि वो अगले एक दशक में अपनी जीडीपी तीन गुना कर ले जैसा चीन ने बीजिंग ओलंपिक के अगले 10 वर्षों में किया था।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली में हुए भव्य जी20 शिखर सम्मेलन को भारत के उदय का गौरवशाली क्षण कहा जा सकता है। यह 2008 के बीजिंग ग्रीष्मकालीन ओलंपिक से मिलता-जुलता है, जिसे व्यापक रूप से विश्व पटल पर चीन के 'आगमन' के मजबूत संकेत के तौर पर देखा गया था। दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रीय शक्ति के कई पहलुओं के नजरिए से 2008 के चीन और 2023 के भारत में कई समानताएं हैं, खासकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पैमाने पर, जहां 2007 का चीन और 2022 का भारत लगभग समान स्तर पर हैं।

जी20 का सबसे ठोस परिणाम भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (क्टएए-एउ) है। यह एक मल्टि मोडल कनेक्टिविटी की पहल है जो भारत को मध्य पूर्व में निर्मित बंदरगाहों और रेल गलियारों के जरिए यूरोप से जोड़ेगी। सैद्धांतिक रूप से यह स्वेज नहर के जरिए मौजूदा ट्रेड कनेक्टिविटी का विकल्प बन सकता है। जैसी इसकी कल्पना की गई है और जैसा इसका डिजाइन है, ऐसा लगता है कि यह चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (इफ्क्क) का एक विकल्प होगा। क्या भारत का इफ्क्क (बोट एंड रेल इनिशिएटिव) चीन के इफ्क्क को चुनौती देने के लिए है? ऐसा संभव है, खासकर जब चीन का बीआरआई भारतीय उपमहाद्वीप में भी वित्तीय स्थिरता के मुद्दों पर खराब हालत से गुजर रहा है।

मूल में वह रेलवे ट्रैक है जो अरब के रेगिस्तानों में फैला हुआ है और जो भारत से एक छोर पर तो यूरोप से दूसरे छोर पर शिपिंग कनेक्टिविटी से घिरा हुआ है। यह सोचना असंभव नहीं है कि दुबई और हाइफा (इजरायल) के बंदरगाहों को जोड़ने वाला एक रेल ट्रैक हो, हालांकि इसके लिए और अधिक राजनीतिक गठबंधन बनाने होंगे। बिजली, हाइड्रोजन और डेटा पाइप भी रेलवे ट्रैक के समानांतर चलाने की योजना है। अमेरिका के प्रमुख प्रायोजक के रूप में होने के कारण राजनीतिक, तकनीकी, प्रबंधकीय और वित्तीय संसाधनों की कोई कमी नहीं होने वाली है। इसलिए इस पहल की सफलता की बहुत ज्यादा उम्मीद की जा सकती है। बीआरआई के विपरीत, वित्तीय रूप से तेजतर्रार भागीदारों- अमेरिका, यूएई, सऊदी अरब, यूरोप और भारत की उपस्थिति से किसी एक देश को ही मलाई मिले और बाकियों को दुष्परिणाम झेलना पड़े, इसकी आशंका नहीं बचती है।

भारत ने यूरोप के साथ मध्य पूर्व/मध्य एशिया के माध्यम से परिवहन लिंकेज का प्रयास किया था जिसमें जटिल जियो-पॉलिटिक्स के कारण परेशानियां आईं।

भारत के लिए क्टएए-एउ मुख्य रूप से इन्हीं परेशानियों का हल है। भारत के लिए यूरोप पहुंचने का सबसे आसान रास्ता पाकिस्तान की तरफ से जाता है, लेकिन पड़ोसी देश की अदूरदर्शी सोच और भारत विरोधी मानसिकता के कारण कभी इसकी पहल ही नहीं हो सकी। लंबे समय से चर्चा में रहे चाबहार पोर्ट लिंकेज ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिमों के कारण बहुत सफल नहीं रहा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800